ईश्वरीय
खजाना
टीम
Presents

विशेष पुरुषार्थ

तीव्रता से आगे बढ़ने की श्रेष्ठ युक्तियां

यह श्रेष्ठ पुरुषार्थ की
भिन्न भिन्न युक्तियाँ
बाबा की रोज
जैसे मीठी थपकी है
अन्तर्मन में
जो समा ले इसे
जीवन में उसकी सफलता
शत प्रतिशत पक्की है...

अभी भी ऐसी बहुत आत्मायें हैं जिनको सन्देश नहीं मिला है। ऐसी आत्माओं को सेवा द्वारा जगाते रहो। जैसे आप लोग उमंग उल्हास से प्रोग्राम बनाते, सन्देश देते रहे हैं ऐसे ही और हिम्मत रख आगे से आगे बढ़ते रहो। उल्हना नहीं रह जाए कि आपने हमे चांस नहीं दिया है। सेवा का चांस बढ़ाते जाओ। इतनी बड़ी वर्ल्ड है कोई का भी उल्हना नहीं रह जाए। चारों ओर की सेवा बढ़ाते हुए आगे बढ़ते चलो। **चारों ओर के बच्चों को बापदादा तीव्र पुरुषार्थी भव कहते हुए यादप्यार दे रहे हैं। सदा अमृतवेले उठते तीव्र पुरुषार्थी भव का यादप्यार याद रख आगे बढ़ते चलना क्योंकि बाप का हर बच्चे से प्यार है।** भले स्टेज पर थोड़े आते हैं लेकिन बापदादा सभी बच्चों को दूर से ही दिल का यादप्यार दे रहे हैं।

Amritvela

Even now, there are many souls who have not yet received the message. Continue to awaken such souls through service. Just as you have been making programmes with zeal and enthusiasm and have been giving the message, similarly, have more courage and continue to move forward even more. There should be no complaints that you didn't give them a chance. Continue to increase the chance for service. The world is so big. There should be no complaints of anyone remaining. While increasing service everywhere, continue to move forward. **BapDada is giving love and remembrance to all the children everywhere and giving them the blessing: "May you be an intense effort-maker". As the Father has love for every child, so when you wake up at Amrit vela always remember the love and remembrance of this blessing of being an intense effort-maker and continue to move forward.** As only a few come onto the stage, BapDada is giving love and remembrance from His heart to all the children from a distance.

लाइट हाउस और पॉवर हाउस, ऐसी आत्मायें बाप-समान विश्व-कल्याणकारी कहलाई जाती हैं। जो भी सामने आये हरेक लाइट और माइट को प्राप्त करती जाय, क्या ऐसे भण्डार बने हो? ऐसे महादानी, वरदानी, सर्वगुण दानी, सर्वशक्तियों के दानी, संग से रूहानी रंग लगाने वाले, नजर से निहाल करने वाले, अन्धों को तीसरा नेत्र देने वाले, भटकी हुई आत्माओं को मंजिल बतलाने वाले, तड़पती हुई आत्माओं को शीतल, शान्त और आनन्दमूर्ति बनाने वाली आत्मा बने हो? क्या इस निशाने के नशे में रहते हो? इसको ही बाप-समान कहा जाता है।

मनन चिंतन के लिए पॉइंट:-
क्या मेरी वृत्ति इतनी शुद्ध और पावरफुल हो गई हैं कि जिस आत्मा को जो गुण कि आवश्यकता है वह गुण कि अनुभूति करा सकु ?

बापदादा - 03/02/1974

SAMARPAN

जैसे आदि में सभी आदि रत्नों ने उमंग उत्साह से तन-मन-धन, समय-सम्बन्ध, दिन-रात बाप के हवाले अर्थात् बाप के आगे समर्पण किया, जिस समर्पण के उमंग-उत्साह के फलस्वरूप सेवा मे शक्तिशाली स्थिति का प्रत्यक्ष रूप देखा।जब सेवा का आरम्भ किया तो सेवा के आरम्भ में और स्थापना के आरम्भ में, दोनों समय यह विशेषता देखी। आदि में ब्रह्मा बाप चलते-फिरते साधारण दिखते थे वा कृष्ण रूप मे दिखाई देते थे? साधारण रूप देखते भी नहीं दिखाई देता था यह अनुभव है ना! दादा है यह सोचते थे? चलते-फिरते कृष्ण ही अनुभव करते थे। ऐसे किया ना? आदि में ब्रह्मा बाप मे यह विशेषता देखी, अनुभव की और सेवा की आदि में जब भी जहाँ भी गये, सबने देवियाँ ही अनुभव किया। देवियाँ आई हैं, यही सबके बोल सुनते, यही सभी के मुख से निकलता कि यह अलौकिक व्यक्तियाँ हैं। ऐसे ही अनुभव किया ना? यह देवियों की भावना सभी को आकर्षित कर सेवा की वृद्धि के निमित्त बनी। तो आदि में भी न्यारेपन की विशेषता रही। सेवा की आदि में भी न्यारेपन की, देवी पन की विशेषता रही। अभी अन्त में वही झलक और फलक प्रत्यक्ष रूप में अनुभव करेंगे। तब प्रत्यक्षता के नगाड़े बजेंगे। अभी रहा हुआ थोड़ा-सा समय 'निरन्तर योगी, निरन्तर सेवाधारी, निरन्तर साक्षात्कार स्वरूप, निरन्तर साक्षात् बाप' - इस विधि से सिद्धि प्राप्त करेंगे। गोल्डन जुबली मनाई अर्थात् गोल्डन दुनिया के साक्षात्कार स्वरूप तक पहुँचे। जैसे गोल्डन जुबली मनाने के दृश्य में साक्षात देवियाँ अनुभव किया, बैठने वालों ने भी, देखने वालों ने भी। चलते-चलते अब यही अनुभव सेवा में कराते रहना। यह है गोल्डन जुबली मनाना। सभी ने गोल्डन जुबली मनाई या देखी? क्या कहेंगे? आप सबकी भी गोल्डन जुबली हुई ना। या कोई की सिल्वर हुई, कोई की तांबे की हुई। सभी की गोल्डन जुबली हुई। गोल्डन जुबली मनाना अर्थात् निरन्तर गोल्डन स्थिति वाला बनना। अभी चलते फिरते इसी अनुभव में चलो कि - 'मैं फरिश्ता सो देवता हूँ'। दूसरों को भी आपके इस समर्थ स्मृति से आपका फरिश्ता रूप वा देवी-देवता रूप ही दिखाई देगा। गोल्डन जुबली मनाई अर्थात् अभी समय को, संकल्प को, सेवा में अर्पण करो। अभी यह समर्पण समारोह मनाओ। स्व की छोटी-छोटी बातों के पीछे, तन के पीछे, मन के पीछे, साधनों के पीछे, सम्बन्ध निभाने के पीछे समय और संकल्प नहीं लगाओ। सेवा में लगाना अर्थात् स्व-उन्नति की गिफ्ट स्वत: ही प्राप्त होना। अभी अपने प्रति समय लगाने का समय - परिवर्तन करो। जैसे भक्त लोग श्वाँस-श्वाँस में नाम जपने का प्रयत्न करते हैं। ऐसे श्वांस-श्वांस सेवा की लगन हो। सेवा में मगन हो। विधाता बनो, वरदाता बनो। निरन्तर महादानी बनो। 4 घण्टे के 6 घण्टे के सेवाधारी नहीं अभी विश्व-कल्याणकारी स्टेज पर हो। हर घड़ी विश्व-कल्याण प्रति समार्पित करो। विश्व-कल्याण में स्व-कल्याण स्वत: ही समाया हुआ है। जब संकल्प और सेकण्ड सेवा मे बिजी रहेंगे, फुर्सत नहीं होगी, माया को भी आने की आपके पास फुर्सत नहीं होगी। समस्यायें समाधान के रूप में परिवर्तन हो जायेंगी। -- 18-02-1986

श्रेष्ठ प्रेरणा

अपने कर्म पर विश्वास रखिए.. राशियों पर नहीं... राशि तो राम और रावण की भी एक ही थी... लेकिन नियति ने उन्हें फल उनके कर्म अनुसार दिया...।

Download App - Learn Rajyoga Meditation

जो धन कमाते हैं, वह
ज़रूरी नहीं दुआयें कमाते हैं।
लेकिन जो दुआयें कमाते हैं, वह
क्षमता से ज़्यादा धन कमायेंगे।

धन आराम देता है।
दुआयें ख़ुशी, सेहत,
और प्यारे रिश्ते देती है।

BKShivani

HAPPINESS
cannot be traveled to,
owned, earned, worn,
or consumed.
HAPPINESS
is the spiritual experience
of living every minute
with love, grace,
and gratitude.
Denis Waitley
LIFE'S A DANCE FB
©2015 Margaret B. Moss

Brahma Kumaris Websites

Main BK website www.shivbabas.org OR www.brahmakumari.org (by SBS team)

Int'l website: www.brahmakumaris.org

India website: www.brahmakumaris.com

BK Sustenance website: www.bksustenance.net

All Data hosted on www.bkdrluhar.com

Murli Websites: babamurli.net and madhubanmurli.org

www.omshantimusic.net

www.bkgoogle.org

www.bksewa.org

www.bkinfo.in

www.bk.ooo

www.brahmakumari.org/centres

NEW www.IshvariyaKhajana.BKhq.org